नहीं हो रही समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी, न ही स्लॉट बुक

उपज बेचने के लिए तकनीकी समस्या की मार झेल रहा किसान

नवभारत न्यूज

पन्ना, 22 अप्रैल। किसानों की हितैषी सरकार में अपनी मेहनत से तैयार की गई फसल तक बेंचने के लिये भटक रहा है। एक तो मौसम की मार ने फसलों को नुकसान पहुंचाया और जो रही कसर बची है वह शासन प्रशासन पूरी कर रहा है कुल मिलाकर चारो तरफ से किसान मारा जा रहा है कोई सुनने वाला नही है।

समर्थन मूल्य पर उपज बेचने का सपना लेकर मंडियों का रुख करने वाले किसानों को तकनीकी खामियों, सेटेलाइट सत्यापन और बायोमेट्रिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। किसानों का कहना है कि पंजीयन के समय गिरदावरी और राजस्व अमले के सत्यापन के आधार पर उनकी फसल दर्ज की गई थी, लेकिन अब

जब वे स्लॉट बुक करने पोर्टल पर जा रहे हैं, तो सेटेलाइट से असत्यापित का संदेश दिख रहा है। इससे किसान असमंजस में हैं कि आखिर जमीन पर किए गए सर्वे पर भरोसा किया जाए या आसमान से किए गए डिजिटल सर्वे पर। वहीं, पोर्टल पर किसानों के वर्गीकरण ने भी नई उलझन पैदा कर दी है। छोटे किसानों को बड़े किसान बताकर स्लॉट बुकिंग से रोका जा रहा है, जिससे कई किसान दिनों से इंतजार में बैठे हैं। यह तकनीकी गड़बड़ी किसानों की परेशानियों को और बढ़ा रही है। बायोमेट्रिक सिस्टम भी किसानों के लिए बड़ी बाधा बन गया है। लगातार मेहनत के कारण कई किसानों के हाथों की रेखाएं घिस चुकी हैं, जिससे फिंगरप्रिंट मशीनें काम नहीं कर रहीं। ऐसे में उन्हें बार-बार बैंक या केंद्रों के चक्कर लगाकर केवाईसी अपडेट कराना पड़ रहा है, जिससे समय और पैसे दोनों की बर्बादी हो रही है।

शादी-ब्याह का सीजन, अन्नदाता परेशान - इधर, शादी-ब्याह का सीजन होने से किसानों को तत्काल नकदी की जरूरत है। लेकिन स्लॉट न मिलने और भुगतान में देरी के कारण वे आर्थिक दबाव में हैं। किसानों का कहना है कि सरकारी खरीद व्यवस्था अब उनके लिए सुविधा नहीं, बल्कि संकट बनती जा रही है। डिजिटल व्यवस्था का उद्देश्य भले ही पारदर्शिता बढ़ाना रहा हो, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि तकनीकी खामियों और प्रशासनिक सुस्ती के कारण किसान अपने ही हक के लिए भटकने को मजबूर हैं। अब जरूरत है कि सिस्टम को सरल और विश्वसनीय बनाया जाए, ताकि अन्नदाता को राहत मिल सके।

देवेन्द्रनगर में एक भी केंद्र शुरू नहीं

खरीदी शुरू होने के पांच दिन बाद भी देवेन्द्रनगर तहसील क्षेत्र में एक भी उपार्जन केंद्र चालू नहीं हो सका है। क्षेत्र में बनाए गए तीनों केंद्र बंद पड़े हैं। शादी-विवाह के सीजन में किसानों को नकदी की जरूरत है, लेकिन खरीदी शुरू नहीं होने से वे आर्थिक संकट में फंस गए हैं। मजबूरी में कई किसान व्यापारियों को कम दामों पर गेहूं बेच रहे हैं। किसानों का कहना है कि महीनों की मेहनत के बाद भी उन्हें उचित मूल्य नहीं मिल रहा।

इनका कहना है

स्लॉट बुकिंग को लेकर किसानों की प्राथमिकता तय है, पहले छोटे, मध्यम फिर बड़े किसान। सर्वर की समस्या है, एक दो दिन में सभी दिक्कतें दूर हो जाएंगी।

नरेंद्र सिंह
प्रभारी खाद्य सुरक्षा अधिकारी पन्ना

पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत जागरुकता गतिविधि आयोजित

नवभारत न्यूज

पन्ना, 22 अप्रैल। महिला एवं बाल विकास विभाग परियोजना पन्ना शहरी अंतर्गत 8वां पोषण पखवाड़ा के तहत आंगनबाड़ी केन्द्रों में मंगलवार को जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया।

इस दौरान प्रारंभिक बाल्यावस्था विकास एवं स्क्रीन टाइम कम करने में माता-पिता और समुदाय की भूमिका विषय पर प्रकाश डाला गया। इसका मुख्य उद्देष्य बच्चों के विकास में पुरूष देखभालकर्ताओं पिता एवं अभिभावक की भागीदारी पर फोकस करना था। कार्यक्रम में आउटडोर खेलों को बढ़ावा देने तथा स्क्रीन टाइम प्रबंधन पर भी सार्थक चर्चा की गई। सेक्टर पर्यवेक्षक द्वारा पखवाड़ा के तहत आज की थीम के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए उपयोगिता बताई गई। इस कार्यक्रम में वार्ड पार्षद, महिलाएं एवं बच्चे भी शामिल रहे।

सिविल सेवा दिवस मनाया गया

नवभारत न्यूज

पन्ना, 22 अप्रैल। मंगलवार को सिविल सेवा दिवस के अवसर पर कलेक्टर कार्यालय के एनआईसी वीसी कक्ष में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में कलेक्टर ऊषा परमार सहित जिला पंचायत सीईओ उमराव सिंह मरावी, अपर कलेक्टर मधुवंतराव धुर्वे, एसडीएम संजय कुमार नागवंशी, जिला कोषालय अधिकारी गौरव गुप्ता एवं अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर

कलेक्टर श्रीमती परमार ने सिविल सेवा दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रशासनिक सेवाएं शासन और जनता के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी होती हैं। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करें। कार्यक्रम के दौरान भोपाल से आयोजित राज्य स्तरीय सिविल सेवा दिवस समारोह का सीधा प्रसारण भी उपस्थित अधिकारियों को दिखाया गया, जिसमें विभिन्न प्रशासनिक पहल और उत्कृष्ट कार्यों का उल्लेख किया गया। कार्यक्रम का समापन प्रशासनिक दायित्वों के प्रति प्रतिबद्धता और जनहित में बेहतर कार्य करने के संकल्प के साथ हुआ।

नप अध्यक्ष गुनौर को अब कैसे घटिया निर्माण की याद आयी, सीएम को भेजी शिकायत चर्चाओं में

आखिर घटिया निर्माण होते रहे, शिकायतें एवं न्यूज पेपरों में छपता रहा तब क्यों शांत रहीं अध्यक्ष

नवभारत न्यूज

पन्ना, 22 अप्रैल। पन्ना जिले की नवगठित नगर परिषद गुनौर का यह पहला कार्यकाल है और अपने घटिया एवं गुणवत्ताहीन निर्माण एवं विकासकार्यों के लिये शुरूवात से ही सुर्खियों में रही है, यहां तक की नगर परिषद के कुछ पार्षद भी ऐसी शिकायतें शासन प्रशासन तक करते रहे। समाचार पत्रों में भी घटिया निर्माण एवं काले कारनामों के बारे में समय समय पर प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया जाता रहा।

तब न तो नगर परिषद अध्यक्ष ने एवं न ही गुनौर एवं जिला प्रशासन ने कोई ध्यान नही दिया। अब अचानक अध्यक्ष जी का क्या बिगड गया कि अब वही घटिया कार्य दिखने लगे और स्वयं मुख्यमंत्री तक शिकायत भेजने के लिये मजबूर होना पड़ा। इसको लेकर पूरे नगर में तरह तरह की चर्चाओं का बाजार गर्म है और जितने मुंह उतनी बातें सुनने को मिल रही है। सच्चाई क्या है यह तो अध्यक्ष एवं निर्माण ऐजेंसी के ठेकेदार ही जान सकते है कि उनके बीच क्या बात बिगड़ गई। अध्यक्ष नगर परिषद गुनौर ने मुख्यमंत्री को भेजी गई शिकायत में आरोप लगाये है कि मुख्यमंत्री अधोसंरचना योजना के तहत स्वीकृत लगभग दो करोड़ रुपए के विकास कार्यों में घटिया निर्माण सामग्री उपयोग किया गया हैं। निर्माण कार्यों का ठेका रामजी कंस्ट्रक्शन को दिया गया था। आरोप हैं कि ठेकेदार द्वारा बनाई गई सड़क मात्र दो माह के भीतर ही जगह-जगह से उखड़ गई, जिससे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि सड़क निर्माण मानकों के अनुरूप होता तो इतनी जल्दी खराब नहीं होती। मामले ने तूल तब पकड़ा जब ठेकेदार ने भुगतान की मांग करते हुए आगे के निर्माण कार्य रोक दिए। इसके चलते नगर परिषद क्षेत्र में अन्य विकास कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। एक ओर जनता अधूरे कामों से परेशान है, तो दूसरी ओर भुगतान और जांच को लेकर प्रशासनिक स्तर पर खींचतान शुरू हो गई है। नगर परिषद अध्यक्ष अर्चना सिंह ने मुख्यमंत्री के नाम पत्र भेजकर जांच और कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा है कि निर्माण कार्यों की तकनीकी जांच कराई जाए और जांच रिपोर्ट आने के बाद ही भुगतान किया जाए।

लू से बचाव व उपचार के लिए सीएमएचओ ने जारी की एडवाइजरी

नवभारत न्यूज

पन्ना, 22 अप्रैल। राज्य शासन द्वारा वर्तमान परिस्थिति मे गर्मी को देखते हुये लू (तापघात) से बचाव एवं उपचार के संबध मे निर्देश जारी किये गये है। जिसके तारतम्य मे डॉ.आर पी तिवारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला पन्ना द्वारा जिले के आमजन को सलाह दी है कि गर्मी के मौसम मे लू से बचाव हेतु बहुत अधिक आवष्यकता होने पर ही धूप में बाहर निकले, धूप मे बाहर जाते समय हमेशा सफेद या हल्के रंग के ढीले सूती बस्त्रो का प्रयोग करे।

भोजन करके एवं पानी पी कर ही बाहर निकले, गरदन के पिछले भाग कान व सिर को गमछे या तौलिये से ढककर ही धूप मे निकले, रंगीन चश्मे व छतरी का प्रयोग करे। इसके साथ ही हमेशा पानी तथा तरल पेय पदार्थ का अधिक से अधिक सेवन करे बाहर जाते समय अपने साथ हमेशा पानी रखे, गर्मी के मौसम मे बच्चो का विशेष ध्यान रखे, बच्चो को सिखाये कि जब भी उन्हे अत्याधिक गर्मी महसूस हो तो वे तुरन्त घर के अंदर आये , बुजुर्गो को धूप मे बाहर न निकलने दे व उन्हे समय-समय पर पानी पीने के लिये प्रेरित करे।

गर्मी के दिनो मे ठंडे मौसमी फलो का सेवन करे, लू लगने पर लक्षण इस प्रकार होते है जैसे तेज बुखार के साथ मुँह का सूखना, गर्म लाल सूखी त्वाचा, शरीर का तापमान अधिक होना, उल्टी आना, बहुत तेज सिर दर्द, मॉसपेशियो मे कमजोरी व एठन, अधिक प्यास लगना और पेषाब कम आना, षरीर का तापमान अधिक होने के बावजूद पसीने का ना आना। यह लक्षण प्रतीत होने पर लू से प्रभावित व्यक्ति को प्राथमिक उपचार के तौर पर तुरंत छायादार जगह पर लिटाकर हवा करे, रोगी के बेहोश होने की स्थिति मे कोई भी भोज्य व पेय पदार्थ न दे तत्काल चिकित्सा सहायता प्राप्त करना चाहिये तथा रोगी के होश मे आने की दशा मे उसे ठंडे पेय पदार्थ, जीवन रक्षक घोल, कच्चा आम का शरबत आदि देना चाहिये, रोगी के शरीर का ताप कम करने के लिये यदि संभव हो तो उसे ठंडे पानी से स्नान कराये या उसके शरीर पर ठंडे पानी की पट्िया रखकर पूरे शरीर को ढंक देना चाहिये तथा इस प्रक्रिया को शरीर का ताप ठंडा होने तक दोहराना चाहिये। गर्मियो के मौसम में जल जनित बीमारियों जैसे टाइफाइड पीलिया एवं फूड पॉइजनिंग की समस्या होती है। इसके बचाव हेतु पीने के लिए शुद्ध एवं स्वच्छ पानी का प्रयोग करे एवं भोजन को हमेशा गर्म करके ही खाएं। बाहर के खाने से ज्यादा से ज्यादा बचे एवं मसालेदार खाने से भी परहेज करें। इसके अतिरिक्त समस्या होने पर नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र मे स्वास्थ्य उपचार कराना चाहिये, लू तापघात एवं अन्य मौसमी बीमारियों के उपचार हेतु जिले के स्वास्थ्य संस्थाओ मे समस्त प्रकार की सुविधा नि:शुल्क उपलब्ध है।

पराली जलाने वाले किसानों के विरुद्ध भी दण्डात्मक कार्रवाई

अब तक प्रस्तुत किए गए हैं 19 प्रकरण

नवभारत न्यूज

पन्ना, 22 अप्रैल। जिला प्रशासन के निर्देशन में पन्ना जिले में अमानगंज तहसील के ग्राम पिपरवाह के किसानों द्वारा ही स्वयं स्वतः संज्ञान लेकर पराली जलाने की घटना पर राजस्व और विभागीय अमले के सहयोग से पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

इसके अलावा गुनौर विकासखंड में पराली जलाने वाले संबंधित किसानों के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही के 17 प्रकरण अनुविभागीय दण्डाधिकारी राजस्व गुनौर को प्रस्तुत किया गया है। राजस्व एवं कृषि विभाग की टीम द्वारा ग्राम हिनौती अमानगंज में नरवाई जलाने की घटना की मौके पर जांच कर संयुक्त पंचनामा बनवाया गया।

इसी तरह पन्ना ब्लॉक के सुनहरा और जरूआपुर में दो किसानों द्वारा नरवाई जलाए जाने पर संयुक्त पंचनामा कार्यवाही कर पन्ना एसडीएम को प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है। विदित हो कि जिला कलेक्टर द्वारा विगत 2 अप्रैल को प्रतिबंधात्मक आदेश जारी कर जिले में पराली और नरवाई जलाने पर रोक लगाई गई है। कृषि विभाग द्वारा भी किसानों को अपने खेत में नरवाई न जलाने तथा स्ट्रॉ रीपर, हैप्पी सीडर एवं सुपर सीडर यंत्रों का उपयोग कर पराली का खाद के रूप में खेत में ही उपयोग करने की सलाह दी गई है।

ग्राम बरगड़ीखुर्द में पानी चैपाल सह कार्यशाला का हुआ आयोजन

नवभारत न्यूज

पन्ना, 22 अप्रैल। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा बुधवार को पन्ना विकासखंड के ग्राम बरगड़ीखुर्द में पानी चैपाल सह कार्यशाला का आयोजन किया गया।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी उमराव सिंह मरावी ने कार्यशाला का शुभारंभ कर अभियान की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जल स्रोतों के संरक्षण एवं पुनरूद्धार की सभी ग्रामवासियों की सामूहिक जिम्मेवारी है। हमें कल के जल के लिए आज से ही पानी सहेजने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कृषकों से उद्यानिकी विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ लेने की अपील की। सहायक संचालक उद्यान पी.के. श्रीवास्तव ने कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में अवगत कराते हुए कहा कि पानी की प्रत्येक बूंद उपयोगी है। इसलिए इसे बचाना अतिआवश्यक है। उपस्थित किसानों को उद्यानिकी विभाग द्वारा संचालित टपक सिंचाई, मिनी स्प्रिंकलर सिंचाई एवं पोर्टेबल स्प्रिंकलर सिंचाई योजना तथा इसमें मिलने वाले अनुदान की जानकारी भी दी गई।

ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारी संजीत सिंह बागरी ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम में परियोजना अधिकारी संजय सिंह परिहार सहित ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारी धर्मेन्द्र सिंह एवं निधि बागरी, ग्राम पंचायत सरपंच तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं आजीविका समूह की महिलाएं भी उपस्थित रहीं।

कृषक के खेत का किया भ्रमण

कार्यशाला पश्चात अधिकारियों द्वारा ग्राम के प्रगतिशील कृषक कवि कुमार मिश्रा के खेत का भ्रमण भी किया गया। कृषक द्वारा ड्रिप मल्चिंग पद्धति से 8 एकड़ में तरबूज, खरबूज एवं खीरा का रोपण किया गया है। साथ ही खेत में ड्रिप सिंचाई प्लास्टिक मल्चिंग, येलो ट्रेप एवं फेरोमोन ट्रेप तथा ब्लू ट्रेप फर्टिगेस पद्धति से पोषक तत्वों का समुचित प्रबंधन भी किया जा रहा है।

नेशनल लोक अदालत 9 मई को, प्रि-सिटिंग बैठक

नवभारत न्यूज

पन्ना, 22 अप्रैल। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली द्वारा अनुमोदित कैलेंडर वर्ष 2026 एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार 9 मई 2026 को जिले के समस्त न्यायालयों में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।

लोक अदालत के सफल क्रियान्वयन के लिए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शरत चन्द्र सक्सेना के मार्गदर्शन एवं विशेष न्यायाधीश व नोडल अधिकारी प्रदीप कुशवाह की अध्यक्षता तथा तृतीय जिला न्यायाधीश अरविन्द शर्मा एवं प्राधिकरण के सचिव व न्यायाधीश राजकुमार गौड़ की उपस्थिति में समस्त विभाग प्रमुखों के साथ आज

एडीआर सभागृह में प्रि-सिटिंग बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर नोडल अधिकारी द्वारा उपस्थित सभी अधिकारियों को नेशनल लोक अदालत में आपसी समझौते के आधार पर शमनीय योग्य अधिक से अधिक प्रकरण रखे जाने के लिए निर्देशित किया गया। बैंक अधिकारियों से पक्षकारों को समयावधि में न सिर्फ नोटिस प्रेषित करने, बल्कि पक्षकारों से संपर्क स्थापित कर लोक अदालत के माध्यम से प्रकरणों के निराकरण से होने वाले लाभों से भी पक्षकारों को अवगत कराने के संबंध में प्रोत्साहित किया। विभाग प्रमुखों को अपने स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार करने के लिए दिशा निर्देश दिए गए। सचिव श्री गौड़ द्वारा बैठक में उपस्थित अधिकारीगण को लोक अदालत में जिला न्यायालय परिसर पन्ना एवं तहसील न्यायालयों में समुचित सुरक्षा व्यवस्था एवं ट्रैफिक व्यवस्था हेतु संबंधित को निर्देशित करने एवं नगर पालिका पन्ना द्वारा पक्षकारों के लिए स्वच्छ पेयजल, साफ-सफाई एवं अन्य आवश्यक व्यवस्था के संबंध में निर्देशित किया। साथ ही नगर पालिका व विद्युत कंपनी को अपने वाहनों द्वारा लोक अदालत में प्रदाय की जा रही छूट का प्रचार करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में न्यायिक मजिस्ट्रेट कृष्णा बोहरा, प्रशिक्षु न्यायाधीश रोहित जैन, जिला विधिक सहायता अधिकारी अतुल सेन, विद्युत विभाग के सहायक यंत्री अजय कुमार साहू, बीएसएनएल लेखाधिकारी पी.एन. मिश्रा, उप पंजीयक कार्यालय से अंशुल श्रीवास्तव, मुख्य नगर पालिका अधिकारी उमाशंकर मिश्रा एवं बैंक के अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

विश्व पृथ्वी दिवस पर जागरुकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

नवभारत न्यूज

पन्ना, 22 अप्रैल। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के द्वारा विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर माधव पैरामेडिकल कॉलेज पन्ना में एक जागरूकता का कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में विस्तार से समझाया गया तथा पर्यावरण रक्षा हेतु प्रतिज्ञा दिलाई गई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ब्रह्माकुमारी सीता दीदी ने अपने उद्बोधन में अध्यात्म और प्रकृति का समन्वय बताते हुए कहां की अर्थ डे का बड़ा ही गहन अर्थ है इसके लिए हम धरती का सम्मान करते रहें एवं सदा शुक्रगुजार होना चाहिए धरती को माँ कहा जाता है इससे हमें जीवन मिला हम सब की पालना होती है धरती से ही हमारे जल भोजन आदि की व्यवस्था होती है हम सबका कर्तव्य धरती की हरियाली को बचाना वातावरण को दूषित करने में हमारे मन के विचारों का भी प्रभाव पड़ता है।

सांदीपनि उमा . विद्यालय पन्ना में जिला स्तरीय कैरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम हुआ

नवभारत न्यूज

पन्ना, 22 अप्रैल। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा छात्र-छात्राओं को बेहतर कैरियर के निर्माण एवं आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करने के उद्देश्य से बुधवार को शहर के बायपास रोड स्थित शासकीय सांदीपनि मॉडल उ.मा. विद्यालय में कैरियर मार्गदर्शन का जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस मौके पर सभी विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर आत्मविश्वास के साथ एवं अपने रूचि के विषय में हुनर बढ़ाकर आगे बढ़ने की सलाह दी गई। कार्यक्रम में हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा में प्रदेश की प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली मेधावी छात्रा प्रतिभा सिंह सोलंकी सहित कक्षा 10वीं एवं 12वीं के अन्य छात्र-छात्राओं द्वारा विषय एवं संकाय चयन तथा बेहतर उच्च शिक्षा अर्जित करने के संबंध में अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया। जिला स्तरीय कैरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम में कलेक्टर ऊषा परमार एवं पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू सहित अन्य अधिकारियों द्वारा मार्गदर्शक की भूमिका में विद्यार्थियों को आवश्यक एवं उपयोगी सलाह दी गई। कैरियर काउंसलिंग के दौरान छात्र-छात्राओं ने उचित कैरियर

निर्माण विषयक नाटक का आकर्षक मंचन भी किया। जिला कलेक्टर ने विद्यार्थियों को उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। साथ ही बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि सही विषयों का चयन कर सभी बच्चे बेहतर अध्ययन एवं परिश्रम पर ध्यान दें। माता-पिता का विश्वास भी जीतें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विषय एवं संकाय में आगे बढ़ने के समान एवं पर्याप्त अवसर हैं। केवल अपनी प्रतिभा और हुनर को निखारने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी बच्चों को पढ़ाई में नवीनतम तकनीक का उपयोग करने, बेसिक इंग्लिश सीखने तथा आवश्यकतानुसार बैकअप प्लॉन बनाने की सलाह भी दी। पुलिस अधीक्षक श्रीमति निवेदिता नायडू ने कहा कि किसी भी परीक्षा में सफलता के लिए विषय पर पकड़ जरूरी है। पाठ्यक्रम अनुसार पढ़ाई कर एवं गत वर्ष के प्रश्न पत्रों को हल करने से काफी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि खेल के क्षेत्र में भी आगे बढ़ने के लिए सही मार्गदर्शन और परिश्रम की आवश्यकता है।

विद्यार्थी रटने की बजाए विषय को समझने पर ध्यान केन्द्रित करें

चरणबद्ध तरीके से किसी भी परीक्षा की तैयारी जरूरी है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अध्ययन की निरंतरता बनाएं रखें और रटने की बजाए विषय को समझने पर ध्यान केन्द्रित करें। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि न केवल यूपीएससी बल्कि अपनी क्षमता मुताबिक प्रत्येक क्षेत्र में कैरियर बनाना संभव है। उन्होंने विद्यार्थियों से निर्णय लेने की क्षमता विकसित करने की अपील भी की। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा रिवीजन एवं नोट्स तैयार करने की महत्ता से भी अवगत कराया गया।